एमबीए के छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट पर मिलेगा अकादमिक क्रेडिट स्कोर

केस प्रतियोगिता, लाइव प्रोजेक्ट को अब अकादमिक क्रेडिट

आईआईएम

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने एमबीए के पहले वर्ष में विद्यार्थियों के लाइव प्रोजेक्टों को अकादमिक क्रेडिट देने के लिए नई नीति बनाई है। वर्चुअल लाइव प्रोजेक्ट्स को नियमित कक्षाओं के साथ पूरा किया जाना होगा।

प्रोजेक्ट छात्रों की ओर से स्वयं या संस्थान के विभिन्न छात्र क्लबों की ओर से प्राप्त किए जाएंगे। आईआईएम रांची में 10 छात्र क्लब हैं, जो एनालिटिक्स, रणनीति, परामर्श, वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव संसाधन, विपणन, संचालन, सार्वजनिक नीति और डिजिटल मीडिया जैसे विषयों पर केंद्रित हैं। अगले वर्ष से ये क्लब अपने फोकस डोमेन में लाइव प्रोजेक्ट प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।पिछले वर्ष तक छात्र अपनी रुचि के आधार पर लाइव प्रोजेक्ट बनाते थे। हालांकि, देखा गया कि जिन छात्रों के पास एमबीए के पहले वर्ष में लाइव प्रोजेक्ट थे, उनकी प्रोफाइल और बेहतर रोजगार क्षमता बढ़ी थी।

ऑनलाइन प्लेटफार्म के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

आईआईएम रांची विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, संस्थान प्रथम वर्ष के छात्रों को सलाह देने और इन लाइव परियोजनाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए संकाय व वरिष्ठ छात्रों को शामिल कर नया योग्यता विकास सेल बनाने की योजना बना रहा है। योग्यता विकास सेल विभिन्न एमएनसी कंपनियों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिताओं को जीतने में छात्रों को मार्गदर्शन भी देगा।

Hindustan_22.05.2024_Pg. 08

आइआइएम रांची. स्टूडेंट क्लब से जुड़ तैयार कर सकते हैं प्रोजेक्ट

एमबीए के छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट पर मिलेगा अकादमिक क्रेडिट स्कोर

- अनुभव के साथ-साथ एमएनसी कंपनियों के लिए प्रोफाइल को मिलेगी मजबूती

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची में संचालित एमबीए प्रोग्राम के नये सत्र में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को अब लाइव प्रोजेक्ट पर अकादमिक क्रेडिट स्कोर मिलेगा. संस्थान ने इस संबंध में नयी नीति तैयार की है. इसके तहत विद्यार्थियों को अब वर्चुअल लाइव प्रोजेक्ट्स नियमित कक्षा के साथ पूरा करना होगा. प्रोजेक्ट फर्स्ट और सेकेंड सेमेस्टर के दौरान ही पूरे करने होंगे. इससे समर इंटर्नशिप के अलावा भी विद्यार्थियों को क्रेडिट का लाभ मिल सकेगा. विद्यार्थियों को अकादमिक क्रेडिट स्कोर हासिल करने के लिए रेगुलर प्रोजेक्ट या संस्था के स्टूडेंट क्लब की ओर से दिये गये प्रोजेक्ट को पूरा करना होगा. अतिरिक्त क्रेडिट स्कोर हासिल करने के लिए विद्यार्थी संस्था के 10 अलग-अलग क्लब से जुड़ सकते हैं. इनसे जुड़कर छात्र एनालिटिक्स, स्ट्रेटेजी एंड प्लानिंग, कंसल्टिंग, फाइनांस, एआइ, एचआर, मार्केटिंग ऑपरेशंस, पब्लिक पॉलिसी और डिजिटल मीडिया जैसे विषय पर प्रोजेक्ट तैयार कर सकेंगे.

विद्यार्थियों को मिलेगा सीखने का अवसर

आइआइएम रांची के निदेशक ने बताया कि प्रथम वर्ष की पढ़ाई के साथ-साथ लाइव प्रोजेक्ट करने वाले विद्यार्थियों को प्रोफेशनल अनुभव मिलेगा. इसका सीधा लाभ वैसे विद्यार्थियों को मिलेगा, जिनके पास कोई प्रोफेशनल अनुभव नहीं है. प्रोजेक्ट के जरिये उनका व्यक्तिगत व अकादमिक विकास होगा. साथ ही सीखने का बेहतर मंच मिलेगा. पूर्व में भी विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार लाइव प्रोजेक्ट तैयार करते थे, लेकिन इससे अकादमिक स्कोर नहीं मिलता था. अब लाइव प्रोजेक्ट से विद्यार्थी की प्रोफाइल बेहतर हो सकेगी. इससे भविष्य में बेहतर रोजगार का लाभ मिलेगा. संस्थान में विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए कंपीटेंसी डेवलपमेंट सेल का गठन किया गया है. सेल विद्यार्थियों को देश के विभिन्न एमएनसी कंपनियों की ओर से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिताओं को जीतने में मार्गदर्शक की भूमिका निभायेगी. विजेता प्रतिभागी को अकादमिक क्रेडिट स्कोर दिया जायेगा.

Prabhat Khabar_22.05.2024_Pg. 07

आईआईएम रांची : अब लाइव प्रोजेक्ट व केस कंपीटिशन के लिए छात्रों को मिलेंगे दो क्रेडिट

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची में स्टूडेंट्स के लिए एक नई पहल की जा रही है। जिसके तहत स्टूडेंट्स को अब लाइव प्रोजेक्ट में भाग लेने और केस कंपीटिशन में विजेता बनने पर दो- दो क्रेडिट दिए जाएंगे। लाइव प्रोजेक्ट में स्टूडेंट किसी कंपनी के साथ जुड़कर उनके बिजनेस प्रॉब्लम को सुलझाने में सहयोग करेंगे। इसके लिए संस्थान के विभिन्न स्टूडेंट क्लब कंपनियों से बात कर लाइव प्रोजेक्ट छात्रों के लिए लेकर आएंगे। वहीं देश के विभिन्न संस्थानों में होने वाले केस कंपीटिशन में भाग लेकर विजेता बनने वाले छात्रों को भी दो क्रेडिट दिए जाएंगे। इसके लिए एक नया सेल भी बनाया जाएगा, जो कॉम्पिटेंसी डेवलपमेंट सेल होगा। जिसमें छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट के लिए तैयार किया जाएगा, उन्हें मेंटरशिप दी जाएगी। आईआईएम रांची के प्लेसमेंट ऑफिस के चेयरपर्सन डॉ. वरुण ने बताया कि इससे छात्रों का प्रोफाइल मजबूत होगा।

Dainik Bhaskar_22.05.2024_Pg. 03